शिव परमात्मा क्या करते और माया रावण क्या करता ?

शिव बाबा देही–अभिमानी बनाते हैं, रावण देह–अभिमानी बनाता है।
शिव बाबा निर्विकारी बनाते हैं, रावण विकारी बनाता है।
शिव बाबा पारसबुद्धि बनाते हैं, रावण पत्थरबुद्धि बनाता है।
शिव बाबा स्वर्गवासी बनाते हैं, रावण नरकवासी बनाता है।
शिव बाबा खुशनसीब बनाते हैं, रावण बदनसीब बनाता है।
शिब बाबा सतोप्रधान बनाते हैं, रावण तमोप्रधान बनाता है।
शिब बाबा ब्राह्मण सो देवता बनाते हैं, रावण शुद्र बनाता है।
शिव बाबा पावन बनाते हैं, रावण पतित बनाता है।
शिव बाबा श्रेष्ठाचारी बनाते हैं, रावण भ्रष्टाचारी बनाता है।
शिव बाबा हीरे तुल्य बनाते हैं, रावण कौड़ी तुल्य बनाता है।
शिव बाबा राव बनाते हैं, रावण रंक बनाता है।
शिव बाबा हंस बनाते हैं, रावण बगुला बनाता है।
शिव बाबा गोरा बनाते हैं, रावण सांवरा बनाता है।
शिव बाबा सुन्दर बनाते हैं, रावण श्याम बनाता है।
शिव बाबा बलवान बनाते हैं, रावण निर्बल बनाता है।
शिव बाबा खीरखण्ड बनाते हैं, रावण लूनपाणी बनाता है।
शिव बाबा पदमापदमपति बनाते हैं, रावण कखपति बनाता हैं।
शिव बाबा अहिंसक बनाते हैं, रावण हिंसक बनाता है।
शिव बाबा सदा के लिए सुखी बनाते हैं, रावण दुःखी बनताा है।
शिव बाबा राजयोगी बनाते हैं, रावण भोगी बनाता है।
शिव बाबा मंदिर लायक बनाते हैं, रावण बंदरबुद्धि बनाता है।
शिव बाबा स्वच्छ बनाते हैं, रावण मलेच्छ बनाता है।
शिव बाबा ज्ञानी बनाते हैं, रावण अज्ञानी बनाता है।
शिव बाबा लायक बनाते हैं, रावण नालायक बनाता है।
शिव बाबा विश्व का मालिक बनाते हैं, रावण अजामिल बनाता है।
शिव बाबा स्वराज्य अधिकारी बनाते हैं, रावण भिखारी बनाता है।
शिव बाबा निर्मोही बनाते हैं, रावण मोह के वश कर देता है।
शिव बाबा निश्चिन्त बनाते हैं, रावण चिन्तित बना देता है।
शिव बाबा प्रिन्स बनाते हैं, रावण बेगर बनाता है।
शिव बाबा साहुकार बनाते हैं, रावण गरीब बनाता है।
शिव बाबा समझदार बनाते हैं, रावण बेसमझ बनाता है।
शिव बाबा ऊंच ते ऊंच बनाते हैं, रावण नीच ते नीच बनाता है।

शिव बाबा विशाल बुद्धि बनाते हैं, रावण तुच्छ बुद्धि बनाता है।
शिव बाबा पूजनीय बनाते हैं, रावण पुजारी बनाता है।
शिव बाबा वारिस बनाते हैं, रावण भक्त बनाता है।
शिव बाबा परिस्तानी बनाते हैं, रावण कब्रिस्तानी बनाता है।
शिव बाबा निर्बन्धन बनाते हैं, रावण बन्धन वाला बनाता है।
शिव बाबा गुलगुल बनाते हैं, रावण छी:-छी: बनाता है।
शिव बाबा सिरताज बनाते हैं, रावण मोहताज बनाता है।
शिव बाबा बेहद में रहना सिखाते हैं, रावण हद में रहना सिखाता है।
शिव बाबा खुशबूदार फूल बनाते हैं, रावण कांटा बनाता है।
शिव बाबा शिवालय बनाते हैं, रावण वेश्यालय बनाता है।
शिव बाबा वाईसलैस बनाते हैं, रावण विषयविकारी बनाता है।
शिव बाबा बहुत मीठा बनाते हैं, रावण बहुत कड़वा बनाता है।
शिव बाबा रूहानी बनाते हैं, रावण जिस्मानी बनाता है।
शिव बाबा देवता बनाते हैं, रावण लेवता बनाता है।
शिव बाबा नइया पार लगाते हैं, रावण नईया डूबो देता है।
शिव बाबा ज्ञान अमृत पिलाते हैं, रावण विष पिलाता है।
शिव बाबा शान्ति देते हैं, रावण अशान्ति देता है।
शिव बाबा सबके दु:ख हरते हैं, रावण सबको दु:ख देता है।
शिव बाबा गुणवान बनाते हैं, रावण निर्गुण बनाता है।
शिव बाबा धनवान बनाते हैं, रावण कंगाल बनाता है।
शिव बाबा दिव्यबुद्धि देते हैं, रावण आसुरी बुद्धि बनाता है।
शिव बाबा महान बनाते हैं, रावण शैतान बनाता है।
शिव बाबा निरंहकारी बनाते हैं, रावण अहंकारी बनाता है।
शिव बाबा दिलखुश बनाते हैं, रावण दिलशिकस्त बनाता है।
शिव बाबा आशावादी बनाते हैं, रावण निराशावादी बनाता है।
शिव बाबा रूहानी मौज में रहना सिखाते, रावण मूंझ में रहना सिखाता है।
शिव बाबा उल्लास में रहना सिखाते, रावण आलस्य में रहना सिखाता है।
शिव बाबा याद में रहना सिखाते हैं, रावण फरियाद में रहना सिखाता है।
शिव बाबा बेफिकर बादशाह बनाते हैं, रावण फिकर में रहना सिखाता है।
शिव बाबा श्रेष्ठ संग में रहना सिखाते हैं, रावण कुसंग में रहना सिखाता है।
शिव बाबा स्वचिन्तन में रहना सिखाते, रावण परचिन्तन में रहना सिखाता।
शिव बाबा सब की सदगति करते हैं, रावण सबकी दुर्गति करता है।
शिव बाबा अमरलोक का मालिक बनाते हैं, रावण मृत्युलोक निवासी बनाता है।